Kripa karo hampe shyam sundar Lyrics

Kripa karo hampe shyam sundar Lyrics in Hindi

कृपा करो हम पै श्यामसुंदर ऐ भक्तवत्सल कहने वाले।
तुम्हीं हो धनुशर चलाने वाले तुम्हीं हो मुरली बजाने वाले॥

तुम्हें पुकारा था द्रौपदी ने बचाया प्रहलाद को तुम्हीं ने॥
तुम्हीं हो खम्भे में आने वाले, तुम्हीं हो साड़ी बढाने वाले॥

तुम्हीं ने ब्रज से प्रलय हटाया, समुद्र में सेतु भी बनाया।
ऐ जल पे पत्थर तैरने वाले, ऐ नख पे गिरवर उठाने वाले॥

इधर सुदामा गरीब ब्राम्हण, उधर दुखी दीन था विभीषण।
उसे भी लंका दिलाने वाले, इसे त्रिलोकी लुटाने वाले॥

ऐ कोशिलासुत यशोदानंदन, अधीन दु:ख 'बिन्दु' के निकंदन।
छुड़ा दो मेरे भी जग के बंधन, ऐ गज के फंदे छुड़ाने वाले॥

Kripa karo hampe shyam sundar Lyrics in English

Kripa karo hum pe Shyamsundar, ai bhaktavatsal kehne wale.
Tumhi ho dhanushar chalane wale, tumhi ho murli bajane wale.

Tumhe pukara tha Draupadi ne, bachaya Prahlad ko tumhi ne.
Tumhi ho khambhe mein aane wale, tumhi ho saree badhane wale.

Tumhi ne Braj se pralaya hataaya, samudra mein setu bhi banaya.
Ai jal pe patthar tairne wale, ai nakh pe girivar uthane wale.

Idhar Sudama gareeb Brahman, udhar dukhi deen tha Vibhishan.
Use bhi Lanka dilane wale, ise triloki lutane wale.

Ai Koshilasut Yashodanandan, adheen dukh 'bindu' ke nikandan.
Chhudaa do mere bhi jag ke bandhan, ai gaj ke phande chhudane wale.

About Kripa karo hampe shyam sundar Bhajan in English

"**Kripa Karo Hampe Shyam Sundar**" is a devotional bhajan that glorifies the various divine qualities of **Lord Krishna**, portraying him as the protector, savior, and provider for his devotees. The bhajan calls upon Krishna to shower his divine mercy on the devotee, highlighting the various instances in his life where he demonstrated his infinite grace, power, and compassion. The lyrics reflect Krishna's role in protecting his devotees from danger, granting them blessings, and guiding them through challenges.

- **Krishna as the Protector and Savior:** The bhajan starts with a call to **Shyam Sundar**, describing him as the one who listens to his devotees' pleas and shows mercy. "Kripa karo hum pe Shyam Sundar, ai bhaktavatsal kehne wale" (Have mercy on us, O Shyam Sundar, O one who is known for loving his devotees). This highlights Krishna's nature as **Bhaktavatsal**,

the one who is deeply devoted to his followers and always looks after their well-being.

- **Divine Interventions for His Devotees:** The bhajan recounts various instances from Krishna's life where he saved his devotees. "Tumhe pukara tha Draupadi ne, bachaya Prahlad ko tumhi ne" (Draupadi called for you, and you saved her; you also saved Prahlad). It refers to Krishna's protection of **Draupadi** during the time of her humiliation in the Kuru court and his intervention in the life of **Prahlad**, the devout child, protecting him from his father's attempts to harm him.
- **Krishna's Miracles and Power:** The bhajan goes on to describe Krishna's supernatural abilities, such as lifting the **Govardhan Hill**, controlling the ocean, and his role in guiding his devotees. "Tumhi ho khambhe mein aane wale, tumhi ho saadi badhane wale" (You are the one who came through the pillar, and you are the one who saved Draupadi's honor). This refers to Krishna's protection of **Draupadi's** honor by magically producing an endless supply of cloth during her public humiliation.
- **Krishna's Role in Helping His Devotees:** The bhajan also mentions other instances where Krishna helped his devotees, like saving the people of **Braja** from the deluge and building a bridge over the ocean to help **Rama**. "Tumhi ne braj se pralay hataya, samudra mein setu bhi banaya" (You removed the flood from Braja, and you built a bridge in the ocean). This is a reference to the **Govardhan Hill** and the bridge built for **Rama**'s army in the **Ramayana** to cross the ocean.
- **Krishna's Compassion for All:** The bhajan emphasizes that Krishna's compassion is universal, shown in his kindness to the poor and distressed. "Idhar Sudama gareeb Brahman, udhar dukhi deen tha Vibhishan" (On one side, Sudama, the poor Brahmin, and on the other side, Vibhishan, the distressed soul). This refers to Krishna's generosity toward both **Sudama**, who was a humble devotee, and **Vibhishan**, who sought refuge from Ravana in the **Ramayana**.
- **Krishna's Liberation of the Soul:** The bhajan concludes with a plea for liberation from the worldly bondages and suffering. "Chhuda do mere bhi jag ke bandhan, ai gaj ke phande chhudaane wale" (Free me from the bonds of this world, O one who can break the chains of Gaj). This refers to Krishna's ability to free his devotees from worldly attachments and give them eternal peace.

Overall, **"Kripa Karo Hampe Shyam Sundar"** is a heartfelt prayer and surrender to **Lord Krishna**, seeking his mercy and divine intervention in the devotee's life. The bhajan praises Krishna for his countless miracles, his protection of his devotees, and his unwavering love and support. It encourages devotees to seek Krishna's grace in times of trouble, trusting in his boundless compassion and power to bring them relief and freedom from suffering.

About Kripa karo hampe shyam sundar Bhajan in Hindi

"कृपा करो हम पे श्यामसुंदर" भजन के बारे में

"**कृपा करो हम पे श्यामसुंदर**" एक अत्यंत भावुक और भक्ति से भरा भजन है, जो **भगवान श्री कृष्ण** की असीम कृपा, शक्ति और प्रेम को दर्शाता है। इस भजन में भगवान श्री कृष्ण से उनके भक्त उनके जीवन में कृपा की अपील करते हैं, विशेष रूप से तब जब भक्त किसी संकट, दु:ख, या समस्या में होते हैं। भजन के माध्यम से भक्त भगवान से अपनी सभी परेशानियों और बंधनों से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं और उनके महान कार्यों की सराहना करते हैं।

- **कृष्ण की असीम कृपा :** भजन की शुरुआत में भक्त भगवान श्री कृष्ण से कृपा की याचना करता है, "कृपा करो हम पे श्यामसुंदर ऐ भक्तवत्सल कहने वाले" (हे श्यामसुंदर, भक्तों के प्रति कृपालु, कृपा करो)। यहां भक्त कृष्ण के

"भक्तवत्सल" रूप की महिमा का गुणगान करता है, जिसमें भगवान कृष्ण अपने भक्तों की रक्षा और देखभाल करते हैं, और उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर देते हैं।

- **भगवान श्री कृष्ण के जीवन की कथाएँ :** भजन में भगवान श्री कृष्ण के कई महान कार्यों का उल्लेख किया गया है। जैसे कि "तुम्हें पुकारा था द्रौपदी ने, बचाया प्रहलाद को तुम्हीं ने" (जब द्रौपदी ने आपको पुकारा, तो आपने उसकी लाज बचाई और प्रह्लाद को बचाया)। ये घटनाएँ भगवान कृष्ण की भक्तों के प्रति उनके अनंत प्रेम और उनके संकटों से छुटकारा दिलाने की शक्ति को दर्शाती हैं।
- **द्रौपदी का सम्मान और कृष्ण की रक्षा :** भजन में भगवान कृष्ण द्वारा **द्रौपदी** की लाज बचाने का भी उल्लेख किया गया है, जो उनके प्रति उनके प्रेम और समर्पण को दर्शाता है। "तुम्हीं हो खम्भे में आने वाले, तुम्हीं हो साड़ी बढ़ाने वाले" पंक्ति में भगवान के दिव्य कार्य का बखान किया गया है, जब उन्होंने द्रौपदी की अस्मिता की रक्षा की थी।
- **कृष्ण का संसार में अद्वितीय योगदान :** भजन में भगवान कृष्ण के अन्य महान कार्यों का भी उल्लेख है जैसे "तुम्हीं ने ब्रज से प्रलय हटाया, समुद्र में सेतु भी बनाया" (कृष्ण ने ब्रजवासियों को प्रलय से बचाया और राम के लिए समुद्र पर सेतु बनाया)। ये घटनाएँ भगवान कृष्ण के अद्वितीय रूपों और उनकी नायकत्व को दर्शाती हैं।
- **सुदामा और विभीषण की मदद :** भजन में **सुदामा** और **विभीषण** जैसे भक्तों का भी उल्लेख किया गया है, जिन्हें भगवान कृष्ण ने अपनी कृपा से सुखी किया। "इधर सुदामा गरीब ब्राह्मण, उधर दुखी दीन था विभीषण" (सुदामा, एक गरीब ब्राह्मण, और विभीषण, जो दुखी थे, भगवान कृष्ण के पास गए और उनकी मदद पाई)। यह दिखाता है कि भगवान कृष्ण किसी भी भक्त की मदद करने में कभी पीछे नहीं हटते, चाहे वह गरीब हो या दुखी।
- **कृष्ण के साथ मुक्ति की प्राप्ति :** भजन का अंतिम भाग भगवान से प्रार्थना करता है कि वह भक्त को संसार के बंधनों से मुक्त करें। "छुड़ा दो मेरे भी जग के बंधन, ऐ गज के फंदे छुड़ाने वाले" (भगवान, कृपया मुझे इस संसार के बंधनों से मुक्त करें, जैसे आपने गज (हाथी) को उसकी गिरफ्त से मुक्त किया था)। भक्त भगवान श्री कृष्ण से मुक्ति की कामना करता है, और उनके साथ दिव्य संबंध की इच्छा करता है।

कुल मिलाकर, **"कृपा करो हम पे श्यामसुंदर"** भजन भगवान श्री कृष्ण की अद्वितीय कृपा, शक्ति और उनके भक्तों के प्रति प्रेम का आह्वान करता है। यह भजन भगवान श्री कृष्ण से उनकी कृपा प्राप्त करने, सभी परेशानियों से मुक्ति पाने और उनके द्वारा किए गए दिव्य कार्यों को याद करने का एक माध्यम है। इस भजन के माध्यम से भक्त भगवान के साथ अपने संबंध को गहरा करने की प्रार्थना करते हैं, और उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए समर्पित होते हैं।